निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए :

टूटे से फिर न मिले, मिले गाँठ ... जाय
जब कोई धागा एक बार टूट जाता है तो
फिर से जो ... जा सकता। जोड़ने की
कोशि में उस ... गाँठ पड़ ... जाती है
... से रिश्ता जब एक बार टूट ... जाता है
... फिर उस ... जोड़ा नहीं
जा सकता। ... पहले ... कुछ नहीं
रहता।

सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँ ... न लैहैं कोय।
अपने दर्द को दूसरों से ... कर ही रखना
चाहिए। जब ... का दर्द ... अन्य को
... है ... उसका मज़ाक ही
... हैं कोई भी ... दर्द को बाँट नहीं
सकता। सभी आपके ... में आपके मज़ाक
ही बनाते ... अतः ... है कि आप अपने
दर्द को अपन. मन में ही रखें।

... सिंचिबो, फूलै, फलै अघाय।
एक ... में कोई ... कार्य ही कर ...
एक ... पूर ... कई ...
आ ... जाते ... साध्य आ...
... को ... शिश करेंगे तो
... भी हा ... नहीं ... ही है

पानी गा न बचै, मोती, मानुष, चुन।
बिना के न तो बनता है, न
आटा गू जा सकता है के
बिना चू भी

निम्नलिखित भाव में किन पंक्तियों
द्वारा अभिव्यक्त गया है लिखिए-

जिस पड़ती है वही इस देश में
आ

पड़ता है, र त गा, सा
ला गि पर बिगड़ी बात फिर
नहीं।

गई ला हैं, लाख करो। कोया
पानी सूना पानी
अवश्य रख दे।
रहिमन पानी बिना सब स

े

अक्षर

आए

ये :- न :- न
या : :-
घु ल का

जैसे जड़ में पानी डालने ही किसी टोंगे
में फूल और फल आते हैं
दोहा दोहा अर्थ है, आरव गीर आहिं।
किसी दोहे में कम से ... में
हो बहुत ... छिपा होता है ... ही
होता है ... कुंडली ... जाट
अपनी में सिमट कर ...
... कठिन दिखा दे है।
~~...~~ ने तन दे मृग, ... देत समेत।
... कि के संगीत खुश ...
शरीर ... कर है।
से कुछ ... के ... से ... एक
अपना सब कु दे हैं। परन्तु ... तो
... कि वे दूसरों को
... , लेकिन ... ले
कुछ नहीं
... काम ... करे तरह।
... छोटी ची की ... होती है हाँ
... बड़ी ची ... है ... ही है। जहाँ
सुई की ... ती है व तलवार म
नहीं होता ... ... समः ...
उसका ... चाहिए।